4. Discuss the role of effort *(Krta Sadhya)* and self-acceptance in overcoming life challenges.

जीवन की चुनौतियों को पार करने में कृत साध्य तथा आत्म-स्वीकृति की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4857 **L**

Unique Paper Code : 6967000032

Name of the Paper : The Gita : Navigating Life Challenges

Name of the Course : **Value Added Course**

Semester : II / IV

Duration : 1 Hour | Maximum Marks : 30

समय : 1 घण्टा | पूर्णांक : 30

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **First** question is compulsory and attempt **any two** questions from remaining.
3. Part of the questions to be attempted together,
4. Each question carries **10** marks.
5. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **पहला प्रश्न अनिवार्य है और शेष में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**
3. **प्रश्नों का कुछ भाग एक साथ हल करना होगा ।**
4. **प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है ।**
5. **इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।**

1. Write Short Notes on **ANY TWO** of the following :

   (a) Importance of Meditation

   (b) Nishkama Karma

   (c) The concept of Swadharma

   निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त नोट्स लिखें :

   (क) ध्यान का महत्व

   (ख) निष्काम कर्म

   (ग) स्वधर्म की अवधारणा

2. Discuss the universal relevance of the Bhagavad Gita in contemporary society across cultural backgrounds.

   विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों वाले समकालीन समाज में भगवद्गीता की सार्वभौमिक प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

3. Explain how doubts, fears and dilemmas can become stepping stones for growth according to the Gita.

   गीता के अनुसार संदेह, भय और दुविधाएँ किस प्रकार विकास के साधन बन सकती हैं, स्पष्ट कीजिए।